Chairmanship of Secretary, Civil Aviation has been set up to examine all aspects of restructuring the two air corporation including the question of equity participation by workers.

**Assessment of Tourism after Devaluation of Indian Rupee**

17. DR. RATNAKAR PANDEY:
SHRI BEKAL UTSAHI:

Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether it is a fact that devaluation of the Indian rupee has pushed up tourism in the country;

(b) whether any assessment has been made in this regard; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAV RAO SCINDIA): (a) to (c) There has. been an upward trend in tourist arrivals coinciding with the devaluation, of the rupee in the middle of 1990-91.'lie tourism turn around was, however, due to a package of measures introduced by Government as well as improvement in the international political climate. The impact due to any particular reason, however, cannot be assessed separately.

**Operation of A-320 from Calicut to Sharjah**

18. SHRI KAPIL VERMA:
SHRIMATI VEENA VERMA:
SHRI RAM NARESH YADAV:

Will the Minister .of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether Director General of Civil Aviation has laid down certain guidelines for Indian- Airlines for operating A-320 from Calicut to Sharjah, if so, the details thereof;

(b) whether the flight and duly time limitations prescribed by DGCA for flight crew are at variance with agreements reached by commercial Pilots Association and Pilots guild with IA Management;

(c) whether no such guidelines have been issued in respect of domestic A-320 flights; and

(d) whether Air India has been refused permission for operating A-320 on such a route, if so, reasons therefor?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAV RAO SCINDIA): (a) Yes, Sir, These guidelines relate to deployment of pilots with "check-pilot" qualifications, calculation of maximum permissible takeoff weight, calculation of landing distance on wet runway etc. These guidelines apply to all Airbus A.320 operations to/ from Calicut irrespective of whether the flight is domestic or international.

(b) The Director General of Civil Aviation has laid down an upper limit for flight duty time, within which, the time limits stipulated in subsisting agreements can still be, adhered to.

(c) the guidelines also cover domestic operations of A-320 aircraft.

(d) No, Sir.

**Foreign aid for Development of Buddhist Circuit**

19. SHRI KAPIL VERMA:
SHRIMATI VEENA VERMA:
SHRI RAM NARESH YADAV:

Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether a loan agreement effective from January 1989 was signed between the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan and Government of India for development of tourist infrastructure on the Buddhist circuit;

(b) if so, what was the schedule of the overall investment envisaged for the project and how much has been utilised;

(c) what are the reasons for delay in work progress; and

(d) how far these fall short of recommendation's of Japanese Task force?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAV RAO SCINDIA): (a) Yes, Sir.

(b) to (d) The tela! cost of the project

is 220.43 crores for which a loan assistance of Yen 9.24 billion would be made available by the Overseas Economic Cooperations Fund (OECF) of the Government of Japan. The period for completion is till 1993. So far, work amounting to Rs. 15.03 crore have been done on the national and state highways and is in progress in some other components of the project. The progress of work on the project by the States of Uttar Pradesh and Bihar has been slow because of delay in finalising of technical details and release of funds from the State budget.

**इंडियन एयरलाइंस द्वारा नयी उड़ानों का शुरू किया जाना**

20. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल:** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1992 के दौरान इंडियन एयरलाइंस द्वारा जिन नई उड़ानों को शुरू किए जाने की संभावना है उनका ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या नई दिल्ली और औरंगाबाद के बीच सप्ताह में कम से कम एक दिन कोई सीधी उड़ान प्रारंभ की जायेगी;

(ग) यदि हां, तो यह सेवा कब से प्रारंभ की जायेगी; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया):** (क) कालीकट-शारजाह-कालीकट मार्ग पर 15 फरवरी, 1992 से एक सप्ताह में तीन बार की ए-320 सेवा आरंभ की गयी है। कोई अन्य नयी उड़ान आरंभ करने के बारे में अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

(ख) जी, नहीं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

(घ) इंडियन एयरलाइंस पहले ही दिल्ली-जयपुर-जोधपुर-उदयपुर-औरंगाबाद-बम्बई और वापसी मार्ग पर सप्ताह में चार सेवाओं का, और दिल्ली-जयपुर-उदयपुर-औरंगाबाद-बंबई और वापसी मार्ग पर सप्ताह में तीन सेवाओं का परिचालन कर रही है। इसे दिल्ली और औरंगाबाद के बीच यात्री यातायात मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त समझा जाता है।

**इंडियन एयरलाइंस में महिला केबिन क्रू**

21. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल:** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान इंडियन एयरलाइंस में कितनी महिला केबिन क्रू एक बेस से दूसरे बेस में स्थानान्तरित की गई हैं;

(ख) क्या यह सच है कि उनसे उनके स्थानान्तरण से पूर्व इस आशय का एक वचन लिखवाया गया था कि उन्हें नए बेस पर कनिष्ठतम माना जाएगा;

(ग) यदि हां, तो ऐसी महिलाओं की संख्या कितनी है जिनसे इस तरह का वचन लिया गया है;

(घ) इस तरह का वचन लिये जाने के क्या कारण हैं;

(ङ) क्या यह भी सच है कि अन्य बेस से दिल्ली बेस को स्थानांतरित होकर आयी उन महिलाओं को, जिनकी 10 वर्ष से अधिक की सेवा हो चुकी है, ऐसे क्रू सदस्यों के अधीन कार्य करना पड़ता है जिन्होंने सेवा का केवल एक वर्ष पूरा किया है; और

(च) यदि हां, तो बलपूर्वक वचन लिये जाने की यह प्रक्रिया कब बन्द की जाएगी और दिल्ली बेस को स्थानांतरित की गई महिलाओं की वरीयता को बहाल करने के लिये क्या-क्या कदम उठाये जाने की संभावना है?

**नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया):** (क) संबंधित कर्मचारियों के अनुरोध पर, पिछले तीन वर्षों के दौरान 33 महिला कर्मीदल के सदस्यों को एक बेस से दूसरे बेस में स्थानांतरित किया गया।

(ख) जी, हां।

(ग) तैंतीस।

(घ) विद्यमान प्रशासनिक अनुदेशों के अनुसार, अनुकम्पा के आधार पर एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र के लिये स्थानांतरण चाहने वाले कर्मीदल के सदस्यों को तैनाती क्षेत्र में सबसे नीचे के स्तर पर वरिष्ठता को स्वीकार करना होगा क्योंकि उन पदों पर भर्ती क्षेत्रीय आधार पर की जाती है और क्षेत्रीय आधार पर ही संवर्गवार वरिष्ठता निर्धारित की जाती है।

(ङ) जी, हां।

(च) क्योंकि अंतरक्षेत्रीय स्थानांतरण केवल कर्मचारियों के अनुरोध पर ही किये जाते हैं, इसलिये वर्तमान प्रणाली जारी रहेगी।